

DPN 6118

Title: महादेव नाटक (?) व यमस्तुति MAHĀDEVA NĀTAKA

Run. No. 6809

Cat. No.

Micro. No.

Subject Play.

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 22 x 8.3

Folios 8

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 814

Ruler / place Yoganarendra Malla.

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

\* श्री नृत्पनाथाय नमः ॥ ३ ॥ भित्री ॥ शिरश्चन्द्र खण्डाय चन्द्र प्रभाय, त्रिलोकेश्वराय त्रिशूलायुधाय ॥  
त्रितेजाय तित्प्राय नृत्पेश्वराय सदानन्दरूपाय तुभ्यं नमस्ते ॥



Δ. इति यमस्तुति समग्रम् ॥

संवत् ८१४ चैत्र मास प्रथमा मासस श्री श्री योग नलेन्द्र (नरेन्द्र) मृत (महान)

जुवा पुज्यायस श्री श्री ताबुमा देवयाके कजुरे छायाव मज्ञ यात सुतानं सोय मद्रु ॥



10

5

0

CMS

5

10

15

20

Handwritten text in Devanagari script on a palm leaf manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is a historical form of Devanagari, likely from the 18th or 19th century. The leaf is aged and shows some wear and discoloration. The text appears to be a religious or philosophical passage, possibly a part of a larger work. The characters are well-defined but show some variation in style, typical of handwritten manuscripts. The lines are roughly parallel, with some slight indentations at the beginning of certain lines. The overall appearance is that of a well-preserved but aged historical document.











॥ हात श्रीसूत्रायै श्रीं डोंली रुड काली व अवी दा शायली य रां ॥ ७ ॥ श्री माहा रा ग  
 ॥ म मा तु ग र्म म रु नि व ड क नि रु यी ह ७ ह ड स रु न का कृ पा हा व की जि ने ते हा भा  
 ॥ य व ल न वि द का यु ल म ॥ ॥ अ हा दे व च लि ७ ॥ ॥ ख व की हा स डी ॥ वा ॥ ॥ अ हा दे व  
 ॥ मो ज ७ ७ ह ड नि जा ध्र म जा हि र ग ॥ ॥ अ हा स क ले मृ षि ना क ति जा ध्र म च लि ७ ॥  
 ॥ ॥ अ हा अ रि ० अ ग दी व्य व ग्री ० मो स रु न की मृ म व कि था ह ७ उ त च ति ७ ॥ ॥  
 ॥ का ७ ॥ अ हा अ ० न हा भा च व ली ॥ अ हा अ ग ० व हा न रु ली अ व व्य ॥ ॥ अ हा अ ग ० क  
 ॥ ड न का व न मा मा का मृ म व ल कि था ह ७ ॥ ॥ अ हा अ ग ० व हा न रु ली अ सी न हा व अ हा

२

अ व व्य जा हा ली ॥ न हा भा च व ली ॥ ॥ अ हा अ रि ० अ ग दी ० अ हा सा य व न वा  
 ॥ अ हि मा न ७ की नि क ट च ति ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ का व स डी ॥ ॥ अ हा य व न ० भ न  
 ॥ दे वी अ व रा क मे ना क क ल्या ना नि से ७ ॥ ॥ अ हा य व ० अ हा न रु ली अ व व्य ॥ ॥  
 ॥ अ हा य व ० ना ० भ न ७ क वा न य व ध्र व ल दी जि ७ ॥ ॥ अ हा अ य व न वा ०  
 ॥ ग दी व्य व ग्री म हा दे व की या व नी दे वी मा वि वां ह क वे ल का व ७ ० ०  
 ॥ रु यी ह ७ ॥ न हा भा य ७ यी सौ व नी दे वी मा ग न की ह ड स रु न य र्म  
 ॥ ७ ॥ ॥ अ हा य व न ० भ न ७ क वा न स नि ७ ॥ ॥ ॥ य यो ह न न य की ७  
 ॥ वा गा द लि ड कृ य न नी व न ॥







ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



सांगायनम ४॥ कंठनाय निगदाया मया द्रविण दानिका ॥  
१ भागाधवम् २ कंठनाय निगदाया मया द्रविण दानिका ॥

प्राकृतयन्त्रे २० निवि क ह ऊ लि ध ३०

॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥



स्वाग ॥ सुनिगनियुन मीय प्रद ससेया नयन व देय प्रसक्ति व  
 ज्ञानेन दल नाग व ॥ ५ ॥ अथ नवा लि प्रविप्रिमिया निप्रच वि ३  
 वा अथ न देन नाग व ॥ ५ ॥ मुद्या वलु ग व न मुनिके सनिय क स ३  
 वा व देय विद्यान नाग व ॥ ५ ॥ मवा ज्विवा र व नीय कलिका पाद म व थ ॥ व य कलिक  
 पाद गी ॥ गदिनी म न नि गार्द क ॥ मिथुन म ग म यो ह्यो नी या के यून र्ध म क क टा व स  
 ध क य का ग र स घ म व थ ॥ सि दाम घा य पू व यि उ रु मा का य म व थ ॥ क थ ॥ रु ना ग य या द  
 रु रु वि द्रा र्द म व थ ॥ गु ल्य वि गार्द क स्त्रा चि वि ग म वा य य द य य ॥ वि क वि ग म वा य द क ॥ अ न  
 रा रा र्द म व थ ॥ ध न म वा य य द य या द उ रु मा का य म व थ ॥ म क वा रु ना ग य या द ॥ य व म ध न  
 र्द म व थ ॥ वि क ॥ ध न म वा य य द य या द उ रु मा का य म व थ ॥ म क वा रु ना ग य या द ॥ य व म ध न  
 र्द म व थ ॥ वि क ॥ ध न म वा य य द य या द उ रु मा का य म व थ ॥ म क वा रु ना ग य या द ॥ य व म ध न

स्वाग गुर्जनी ॥ ५ ॥ सु सु दित व म द न व स नी व द न चू व न ल ल ता ध न ॥ मृ द म य  
 तिल क ॥ सि ख ति स य व क ॥ मृ ग मि व ल ज नी क ल ॥ ल म त ज म ना य वि न व न  
 वि ज यी मू ला नी न ध ना ॥ ५ ॥ अ वा ॥ य न व य नू चि न व च य ति चि कू न त न वि  
 ग त नू ला न न ॥ क न व क कू म र्म व य रा स र्म र्म व ति य ति मृ ग का न न ॥ य न य  
 ति सूर्य न कू च र्ग ग ग ॥ मृ ग म द नू चि नू चि त ॥ म लि स न म स र्म ता न क थ  
 ठ व ॥ म ख य द न गि रु खि त ॥ कित वि ग न क र्म मृ द गु ज यू ग र्म क न त न न ध  
 नी द न ॥ म न क त व न र्म म धू क व नि च य वि त व ति हि म सी त ल ॥ व ति गृ ह ज  
 घ न ॥ वि य ना य घ न ॥ म न सि ज क न का स न ॥ म नि म य न स नी ता न न रु स र्म







Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript fragment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language. The paper is aged and shows signs of wear.

रखननायननामिऊयमयननागी वासरुआऊयमा॥मनरापुनय  
कारका(म)उःमननागीवासरुआऊयन॥  
Handwritten text in Devanagari script, continuing from the top page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language. The paper is aged and shows signs of wear.